



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

R  
F. 15-781

सं० 91]

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 16, 1981/फाल्गुन 25, 1902

No. 91]

NEW DELHI, MONDAY, MARCH 16, 1981/PHALGUNA 25, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कृषि मंत्रालय  
(खाद्य विभाग)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 मार्च, 1981

सा. क्र. नि. 180 (अ).—धान कूटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 में और संशोधन करने के लिए नियमों का कतिपय प्रारूप, भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (खाद्य विभाग) की अधिसूचना संख्या सा. का. नि. 1112 तारीख 21 अक्टूबर, 1980 के अधीन, भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1), तारीख 25 अक्टूबर, 1980 के पृष्ठ 2279-80 पर, धान कूटाई उद्योग (विनियमन) अधिनियम, 1958 (1958 का 21) की धारा 22 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से, जिन्होंने उससे प्रभावित होने की सम्भावना थी, उस तारीख से, जिसको उस राजपत्र की प्रतियां, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित हुई थी, जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, पतालिप्त दिन की अवधि की समाप्ति में पूर्ण आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे,

और उक्त राजपत्र 12 नवम्बर, 1980 को जनता को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार ने जनता में प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार कर लिया है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 22 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, धान कूटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम धान कूटाई (विनियमन और अनुज्ञापन) (संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये तुरन्त प्रभावी होंगे।

2. धान कूटाई उद्योग (विनियमन और अनुज्ञापन) नियम, 1959 के प्रारूप 4 की शर्त 3घ के विद्यमान परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक रखे जाएंगे अर्थात् :—

“परन्तु 1 मई, 1970 से पूर्व अज्ञात एकल हलर से भिन्न धान मिल की दशा में अनुज्ञापन अधिकारी, पर्याप्त कारणों के लिए जो लेखबद्ध किए जाएंगे, उक्त अवधि को, पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति की तारीख से आगे 6 वर्ष के लिए और बढ़ा सकेंगा

परन्तु यह और कि 1 मई, 1970 और 30 अप्रैल, 1975 के बीच अज्ञात एकल हलर से भिन्न धान मिल की दशा में, अनुज्ञापन अधिकारी, पर्याप्त कारणों के लिए जो लेखबद्ध किए जाएंगे, उक्त अवधि को, पांच वर्ष की अवधि की समाप्ति की तारीख से आगे ऐसी अवधि तक जो वह न्यायोचित समझे, और बढ़ा सकेंगा किन्तु ऐसी और वृद्धि 30 अप्रैल, 1981 से परे नहीं होगी।”

[फा सं. 15 (जनरल)(1)/80-डी एण्ड आर आई-75]

के सी. एम. आचार्य, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Food)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 16th March, 1981

**G.S.R. 180(E).**—Whereas certain draft rules further to amend the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, were published as required by sub-section (1) of section 22 of the Rice-Milling Industry (Regulation) Act, 1958 (21 of 1958), at pages 2279-80 of the Gazette of India Part II Section 3, sub-section (i), dated the 25th October, 1980, under the notification of the Government of India in the Ministry of Agriculture (Department of Food), No. G.S.R. 1112, dated the 21st October, 1980, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of forty-five days from the date on which the said notification was published were made available to the public;

And whereas the said Gazette was made available to the public on 12th November, 1980;

And whereas the objections and suggestions received from the public have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 22 of the said Act, the Central Government hereby

makes the following rules further to amend the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, namely :—

1. (1) These rules may be called the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Amendment Rules, 1981.

(2) These shall come into force at once.

2. In the Rice-Milling Industry (Regulation and Licensing) Rules, 1959, in Form IV, in condition 3 D, for the existing proviso, the following provisos shall be substituted, namely :—

“Provided that in the case of a rice mill other than a single huller licensed prior to the 1st May, 1970, Licensing Officer may, for sufficient reasons, to be recorded in writing, further extend the said period by another six years, beyond the date of expiry of the period of five years;

Provided further that in the case of a rice mill other than a single huller licensed between the 1st May, 1970 and the 30th April, 1975, the Licensing Officer may, for sufficient reasons, to be recorded in writing, further extend the said period by such period as he may consider justified, beyond the date of expiry of the period of five years but such further extension shall not go beyond the 30th April, 1981.”

[F. No. 15(GENL.)(1)/80-D&R-I 75]

K.C.S. ACHARYA, Jt. Secy.